B. A III

Saathi

Date __/__/__

प्र० भारत की जनसंख्या समस्या पर प्रकाश डालिए।

उत्तर

भारत का विश्व में 7 वाँ स्थान है। जहा कुल जनसंख्या की 17.7% जनसंख्या थी 140% मिलियन लोग विश्व का केवल 2.4 भू भाग (भारत का) पर निवास करते हैं भारत का विश्व में जनसंख्या की दृष्टि से एक विशिष्ठ स्थान है। चीन के अतिरिक्त कोई भी अन्य देश ऐसा नहीं है। जो जनसंख्या की वृद्धि में भारत का मुकाबला कर सके। भारत की जनसंख्या चीन की लगभग 2/3 अफ्रीका की दो गुनी संयुक्त राज्य अमेरिका की 2.4 गुनी रूस की दो गुनी ब्रिटेन की 9 गुनी फ्रांस की लगभग 10 गुनी ब्राजील की लगभग 7 गुनी कनाडा की 23 गुनी आस्ट्रेलिया की लगभग 44 गुनी है।

इतनी और दक्षिणी अमेरिका की कुल जनसंख्या मिला दी जाये तो भी भारत की वर्तमान जनसंख्या से कम होगी। इसी प्रकार यदि संयुक्त राज्य अमेरिका एवं रूस की कुल जनसंख्या का योग किया जाय तो भी वह योग भारत की जनसंख्या से कम होगा।

जनसंख्या के बढ़ने से कृषि क्षेत्रों पर अत्यधिक भार बढ़ता जाता है। इस प्रकार भविष्य की सम्भावनाओं पर प्रश्न चिन्ह लग जाता है।

Page No.

Date __/__/____

इन्ही के साथ शुरू होती है।
राजनीतिक प्रतिद्वन्द्विता एंव एवं प्रतिबन्ध
आर्थिक गतियों मे मन्द होने मे अन्दर ही
अन्दर राजनीतिक प्रतिबद्धता बढती है।
अशान्ति का वातावरण बनता है। यानी
स्वीकार करने योग्य जीवन स्तर का ह्रास
होता है।
इस प्रकार की गतियों के साथ भविष्य की
सम्भावनाओं को ध्यान मे रखते हुए भारत
के सन्दर्भ मे निम्न तथ्य सामने आते है।

(1) भारतीय जनसंख्या मे ग्रामीण से नगरीकरण
के परिवर्तन तीव्र रूप से देखे जाते है।
2) भारतीय जनसंख्या मे परिया परिवार नियोजन
व अन्य जनसंख्या नियोजन के कार्य प्रभावी
हो रहे है।
3) अपेक्षाकृत अधिक युवा वर्ग की संख्या व
कारण मृत्यु दर की कमी आयेगी और
व प्रतिदृव्यार के आस पास रहेगी
वर्तमान मे 18.5 % है।
4) परिवार नियोजन के प्रभावी कार्य के जन्मदर
मे भी गिरावट आयेगी इस प्रकार भारत मे
जनसंख्या विस्फोट की स्थिति को टाला जा
सकेगा

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, तारवा, बलिया

Page No.